Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Bachelor of Vocation (B.Voc.)

रोजगारपरक बीवॉक के लिए बारहवीं पास छात्र 13 अप्रैल तक करें आवेदन

हकेंविवि में बीवॉक कार्यक्रम में उपलब्ध हैं रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट के पाठ्यक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2019-20 में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 13 अप्रैल तक सीयूसीईटी-2019 के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 12वीं परीक्षा पास विद्यार्थी बीवॉक की बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए योग्य हैं। इस सत्र में बीवॉक (बैचलर इन वोकेशन) में रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज व इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट तीन प्रोग्राम हैं।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के अंतर्गत चलने वाले बीवॉक पाठ्यक्रम तीन वर्ष में तीन चरणों में करवाया जाता है। जिसके अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी को डिप्लोमा, दो वर्ष सफलता पूर्वक करने पर एडवांस डिप्लोमा तथा तीन वर्ष सफलता पूर्वक उत्तीर्ण करने पर बीवॉक की डिग्री प्रदान की जाती है। बीवॉक पाठ्यक्रमों उद्देश्य स्नातकों की रोजगार क्षमता बढ़ाना और वैश्विक श्रमशक्ति का हिस्सा बनने में मदद करना है। यह पाठ्यक्रम सैद्धांतिक शिक्षा और व्यावसायिक प्रबंधन अवधारणाओं का एक अनूठा मिश्रण है। जिसमें सैद्धांतिक शिक्षा के साथ-साथ औद्योगिक भ्रमण, इंटर्नशिप, उद्योग विशेषज्ञों के अतिथि व्याख्यान और प्रयोगात्मक शिक्षाओं के द्वारा छात्रों को विभिन्न व्यवसायों में कौशल और विशेषज्ञता प्रदान की जाती है। हकेंवि में बीवॉक के सभी प्रोग्रामों में 63-63 सीटें उपलब्ध हैं। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन व अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

टेक्नालॉजी और इंटरनेट के इस युग में ऑनलाइन शॉपिंग, मॉल कल्चर बहुत तेजी से उभरा है। यही कारण है कि विश्वभर में रिटेल सेक्टर तेजी से विकसित हो रहा है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और नीति आयोग के अनुसार अगले पांच वर्षों में देश के संगठित रिटेल सेंटर में 20 से 22 लाख रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रिटेल और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में हो रहे उन्नत तरीकों से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

बीवॉक : बायो मेडिकल साइंसेज और इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट

यह सर्वविदित है कि भारत में जीव विज्ञान उद्योग में वृद्धि कर रहा है और इसी क्षेत्र में मुख्यतः विनिर्माण और गुणवत्ता खंड में वर्ष 2024 तक बहुत अधिक नई नौकरियों की संभावनाएं हैं। जीव विज्ञान क्षेत्र में नौकरी की बढ़ती मांग के साथ, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीवॉक-बायोमेडिकल साइंसेज कार्यक्रम चल रहा है जिसमें छात्रों को व्यापक व्यावहारिक शिक्षा, दवा उद्योग से विशेषज्ञों के व्याख्यान और विभिन्न दवा उद्योगों में छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण व प्रशिक्षण दिया जाता है। वहीं, बीवॉक-उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट पदार्थ ठोस, तरल व गैसों में रूप में उत्सर्जित होकर वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण व मृदा प्रदूषण का मुख्य कारण बन रहा है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट पाठ्यक्रम में अपशिष्ट पदार्थों के उचित प्रबंधन के विभिन्न तरीके विद्यार्थियों को बताये जाते है। इसके अतिरिक्त विषय की प्रायोगिक समझ के लिए विद्यार्थियों को संबंधित कंपनियों और अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र पर प्रशिक्षण भी करवाया जाता है। इस पाठ्यक्रम में व्यावहारिक शिक्षा के साथ साथ कौशल विकास पर भी बल दिया जाता है। इस कार्यक्रम कार्यक्रम को करने वाले विद्यार्थियों को स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाता है।

सीयूः बैचलर इन वोकेशन के लिए मांगे आवेदन

महेंद्रगढ़। पाली स्थित सीयू में शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए दाखिला प्रक्रिया जारी है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इच्छुक अभ्यर्थी आगामी 13 अप्रैल तक सीयूसीईटी-2019 के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सीयू की विज्ञप्ति के अनुसार जिन छात्रों ने अपनी 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या अभी प्रयासरत है उनके लिए बीवॉक की बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम में दाखिला लेने का यह एक अच्छा अवसर है। इस सत्र में बीवॉक (बैचलर इन वोकेशन) में रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज व इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट तीन प्रोग्राम चल रहे हैं। हकेंवि में बीवॉक के सभी प्रोग्रामों में 63-63 सीटें उपलब्ध हैं।